दैनिक जागरण

...गे बड़े निर्यातक 15 रितायंत के मुकेश अंबानी दुनिया के नौवें सबसे अमीर 15

कैंसर को मात देकर अब दूसरों को विजेता बनाना चाहते हैं प्रणव

जासं, लखनऊ: कैंसर जैसी बीमारी को मात दे चुके एमबीबीएस के टापर प्रणव टंडन अब दूसरों को कैंसर से विजेता बनाना चाहते हैं। मंगलवार को एरा विश्वविद्यालय के पहले दीक्षा समारोह में उनके गले में 16 गोल्ड मेडल की चमक अलग ही दिख रही थी। दीक्षा समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें एक के बाद एक मेडल दिए और सभी ने उनके जज्बे की सराहना भी की। प्रणव ने दीक्षा में एमबीबीएस में ओवरआल टापर रहे। एमबीबीएस प्रथम वर्ष से लेकर फाइनल तक टापर रहे। शैक्षणिक उपलब्धियों को हासिल करने से बड़ी उपलब्धि उनकी कैंसर पर जीत की रही।

साल 2015 में ल्यूकेमिया रोग का सामना कर चुके प्रणव ऐसे पहले छात्र भी बने जिन्होंने सबसे अधिक मेडल लिए। ल्यूकेमिया एक तरह से ब्लड कैंसर का रूप है। उस समय प्रणव डीपीएस स्कूल इंदिरानगर में 12वीं के छात्र थे। प्रणव का कहना है कि उन्होंने कैंसर का दर्द झेला और उससे

मम्मी पापा के संग प्रणव ● स्वयं

निजात पाई। उसके बाद तय किया कि डाक्टर बनकर अब दूसरों को भी इस दर्द से राहत दिलाने की बारी है। इस समय टाटा मेमोरियल मुंबई से एनेस्थीसिया में एमडी कर रहे प्रणव ने बताया कि कैंसर मरीजों के इलाज में योगदान देने के लिए ही वह आगे की पढ़ाई कर रहे हैं। एमडी की डिग्री पाने के बाद वह इसी क्षेत्र में काम करेंगे। क्रिटिकल केयर के क्षेत्र में जाकर मरीजों को कैंसर की पीड़ा से मुक्त कराना ही उनका एकमात्र लक्ष्य है। प्रणव के पिता प्रवीन टंडन फिजीशियन और माता शालिनी टंडन बाल रोग विशेषज्ञ हैं। उनकी प्रेरणा से ही वह चिकित्सक बने हैं।